Dr. Pragya Rai, Asst. Prof. Pol. Scien
Maharaja College

मई/May BA-1, Paper-2, Unit- 8(a)

अधिकार -

20 सोमवार Monday

(1) **अधिकार समाज की सृष्टि है** -

अधिकार का निर्माण समाज के द्वारा होता है। जब माँगें समाज द्वारा स्वीकृत हो जाती हैं तो वे अधिकार का रूप ग्रहण कर लेती हैं। लास्की के अनुसार, "राज्य अधिकारों की सृष्टि नहीं करता, वरन् उन्हें मान्यता

21 मंगलवार Tuesday

प्रदान करता है।"

(2) **समाज से बाहर अधिकारों की सृष्टि नहीं होती** - अधिकार का निर्माण तो केवल समाज के लिये होता है। समाज से बाहर अधिकारों का कोई अस्तित्व नहीं।

बुधवार Wednesday 22

(3) अधिकार का आधार सार्वजनिक कल्याण है-

अधिकार का निर्माण सार्वजनिक कल्याण की दृष्टि से होता है। जिस मांग के पीछे सार्वजनिक भलाई निहित रहती है केवल उसी को समाज का नैतिक बल प्राप्त होता है और वह मांग जब समाज द्वारा मान ली जाती है, तब

गुरूवार Thursday 23

अधिकार का रुप ग्रहण कर लेती है।

(4) अधिकार का महत्व उसके उपभोग में है- वैसे तो अधिकार के पीछे समाज की नैतिक शक्ति होती है फिर भी राज्य शक्ति का यह कर्त्तव्य है कि

1996

मई/May

24 शुक्रवार Friday

वह अधिकारों का पालन करवाये। अधिकार सार्थक तभी हो सकते हैं जब राज्य उनके उपभोग के लिये उचित वातावरण का निर्माण करे।

25 शनिवार Saturday

26 रविवार\Sunday